

जन एक्सप्रेस

Facebook icon, Twitter icon, YouTube icon, Instagram icon /janexpresslive

लखनऊ, बुधवार, 14 जुलाई, 2021, वर्ष : 12, अंक : 269, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

लखनऊ तथा देशभूमि से प्रकाशित लाटीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान

जन एक्सप्रेस संचादकात

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा भारत के 75 वें स्वतंत्रता वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन मंगलवार को कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में देश के ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक पदम भूषण डॉ. राम बदन सिंह ने नवभारत के निर्माण में कृषि व कृषि से संबद्ध विषयों में सुधार कर देश की 135 करोड़ आबादी की समुचित खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने के नीतिगत पहलुओं पर चर्चा की। जिसमें उन्होंने देश में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन एवं



उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि के लिए कृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों को बधाई देते हुए खाद्यान्न उत्पादन में आई बढ़ोत्तरी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से देश में आज दूध की उपलब्धता 400 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्ध हो गई है जो

कि विश्व की 285 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्धता से बहुत अधिक है। डॉ सिंह ने कहा कि खाद्यान्न, दलहन, तिलहन एवं साग भाजी फसलों में अधिक व गुणवत्ता युक्त उत्पादन के लिए शोध में आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का समावेश आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों से डॉ. राम बदन द्वारा दिए गए नीतिगत सुझावों को अपने शोध, प्रसार एवं शैक्षणिक कार्यों में समाहित करने के लिए कहा। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को धन्यवाद डॉ. धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय ने किया। इस कार्यक्रम में सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।



लखनऊ संस्करण

लाई-05, अंक - 258
बुधवार, 14 जूलाई, 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु.
लखनऊ, लेहल, हाईटी और देहरादून में प्रकाशित

For epaper → www.updainikbhaskar.com

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर



06

अमृत महोत्सव पर कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का हुआ आयोजन

दुग्ध उत्पादन में देश विश्व के प्रथम स्थान पर : डॉ. राम बदन

बाटकर ब्यूज़

कलनपुर। सीएसए द्वारा भारत के 75 वें स्वतंत्रता वर्ष के उपलक्ष में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्भूत नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता देश के खायातिलब्द वैज्ञानिक पदान भूषण डॉ. राम बदन सिंह उपस्थित रहे। जिन्होंने नवभारत के निर्माण में कृषि व कृषि से संबद्ध विषयों में सुधार कर देश की 135 करोड़ आजादी की समुचित खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने पर



नीतिगत पहलुओं की चर्चा की। चर्चा के दौरान डॉ. सिंह ने देश में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता में गुजातक वृद्धि हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों को बधाई देते हुए बताया। कि वर्ष 1950 से 2020 तक खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने किसानों से जानकारी देते हुए बताया कि खाद्यान्न उत्पादन में 6 गुना,

उच्चानिकी फसलों में 10 गुना, दूध में 12 गुना, एवं मलत्य में 16 गुना वृद्धि हुई है। जिससे गरीबी व कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। डॉ. सिंह ने श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन को याद करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही देश में आज दूध की उपलब्धता 400 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्ध हो गई है। जो कि विश्व की 285 ग्राम प्रति व्यक्ति उपलब्धता से बहुत अधिक है। डॉ. सिंह ने कहा की उन्होंने दूध उत्पादन हेतु 150 लाख किसानों को जोड़कर 1 लाख 45 हजार नांव में दुग्ध उत्पादन समितियों की स्थापना की। जिससे दुग्ध की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 400 ग्राम संभव हो सकी है। और देश को विश्व का दूध उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा कि खाद्यान्न, दलहन, तिलहन एवं साम भाजी फसलों में अधिक व

शुणवता युक्त उत्पादन हेतु शोध में आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का समावेश आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने कृषि में नैनी तकनीकी की भी बात की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों का आवाहन किया है। कि डॉ. राम बदन द्वारा नीतिगत सुझावों को अपने शोध, प्रसार एवं ईकानिक कार्यों में समर्हित करें। इस अवसर पर डॉ. एच जी प्रकाश ने स्वानंतर करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा किक्सित 295 से अधिक प्रजातियों जिनमें 88 खाद्यान्न, 85 तिलहन, 54 दलहन, 58 साम भाजी फसलों की प्रजातियों के बारे में बताया उन्होंने बताया कि यह प्रजातियों किसानों में काकी लोकप्रिय हैं। तथा विश्वविद्यालय की तकनीकी का किसान लाभ उता रहे हैं।



खाद्यान्ज 6 तो दूध का 12 गुना बढ़ा उत्पादन

कानपुर। देश ने आजादी से अब तक काफी तरक्की की है। पद्म भूषण डॉ. राम बदन सिंह ने कहा कि खाद्यान्ज उत्पादन में 6 गुना बढ़ोतरी हुई है। उद्यानिकी फसलों में 10 गुना, दूध में 12 गुना, गन्ना और मत्स्य में 16 गुना की वृद्धि हुई है। वहीं गरीबी और कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने सभी संकाय सदस्यों को दिए गए सुझाव पर काम करने का निर्देश दिया।

ज्ञानदा संज्ञादा मरणों में अपने साथियों के

नीतिगतीय जगत के बावजूद बातकर सभा के

बारिश आदि रहे।

भारतीय भाषा की दी है।

कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित

कड़वापुर। सीएसए द्वारा भारत के 75 वें स्वास्थ्यता वर्षी के उपलब्ध में आवादी के अमृत महोसूल के अंतर्गत नव भारत के निमीने हेतु वृषि में भवितव्यीय विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। विभिन्न विद्यालयों के कृतार्थी डॉ. लैंग्रार मिंह की अध्यात्मा में कार्यक्रम संपन्न हुआ। निदेशक शोध डॉ. एचडी प्रकाश एवं अधिकारी वृषि संकाय डॉ. धर्मेन्द्र सिंह द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता देश के उत्तरांश्चित्र वैज्ञानिक पदम भूषण डॉ. रम वद्दन सिंह उपस्थित रहे। विद्यार्थी नव भारत के निमीने हेतु वृषि से संबंधित विषयों में मुद्रार कर देश की 135 करोड़ आवादी की समुचित खाता एवं पौधों सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने पर नीतिगत पालनपालन की चर्ची की। चर्ची के दौरान डॉ. सिंह ने देश में वृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तरांश्चित्र एवं उत्तरांश्चित्र में गुणात्मक वृद्धि हेतु वृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों की चर्ची दी हुई की

तक खात्मा उत्तरांश्चित्र में 6 गुना बढ़ती हुई है। उन्होंने विस्तार से जानकारी दी हुए बताया कि खात्मा उत्तरांश्चित्र में 6 गुना,



ज्ञानिकों कामतांत्रियों में 10 गुना, दूध में 12 गुना, एवं मालव में 16 गुना वृद्धि हुई है। जिसमें गरीबी व अनुपोषण में दो तिहाई की

कमी आई है। डॉ. सिंह ने देश कीति के विभिन्न वृगीव वृत्तियों को बढ़ावा दी हुए कहा कि उनके प्रयोगों से ही देश में आज दूध की उत्पत्तिका 400 ग्राम प्रति व्यक्ति उत्पत्तिका हो गई है। वह कि विधि की 285 ग्राम प्रति व्यक्ति उत्पत्तिका से बहुत अधिक है। डॉ. सिंह ने कहा कि उन्होंने दूध उत्तरांश्चित्र हेतु 150 लाख किसानों को जोड़कर 1 लाख 45 हजार गांव में दूध उत्तरांश्चित्र समितियों की स्थापना की। जिसमें दूध की उत्पत्तिका 400 ग्राम संभव हो सकती है। और देश को यह दूध उत्तरांश्चित्र में प्राप्त स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा कि खात्मा, उत्तरांश्चित्र, तिलहन एवं साग भाजी कामतांत्रियों में अधिक व गुणवत्ता युक्त उत्तरांश्चित्र हेतु शोध में आधुनिक विज्ञान एवं पौधोंगीवी का समर्थन आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने वृषि में ऐनी तकनीकी की भी चाल की। कार्यक्रम की अध्यात्मा कर रहे हैं विभिन्न विद्यालय के कृतार्थी डॉ. लैंग्रार सिंह ने विधि विद्यालय के समस्त संकाय महसूसों

का आवाहन किया है। कि डॉ. शोध वद्दन द्वारा नीतिगत सुझावों को अपने शोध, प्रस्तार एवं वैधानिक वार्षीय में समर्माणित करें हम अवसर पर डॉ. एच जी प्रकाश ने स्वागत करते हुए विभिन्न विद्यालय द्वारा विकसित 295 से अधिक प्रयोगिक विषयों में 85 खात्मा, 85 तिलहन, 54 उत्तरांश्चित्र भाजी कामतांत्रियों की प्रयोगिकों के बारे में बताया उन्होंने बताया कि यह प्रयोगिक विषयों में काफी लोकप्रिय है। तथा विभिन्न विद्यालय को तहनीयों का विस्तार लाना चाह रहे हैं। जिसमें जलाशय व ग्रीष्मावलीय भूगोली खेती तकनीक को विभिन्न संस्कारों द्वारा पुस्तकूल भी किया गया है। हमें जलनीय में विभिन्न विद्यालय का उत्तेजनायी पौगदान हेतु विभिन्न विद्यालय को याहां वृषि विज्ञान अवलम्बी नई विद्यी द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम में सभी अधिकारीयों को भव्यवाद लेकर धर्मीराज सिंह अधिकारी वृषि संकाय ने किया। इस कार्यक्रम में सभी निदेशक, अधिकारी, विभागाधार, संकाय सदस्य एवं छान्त्रिकाओं उपस्थित रहे।

26 गांवों को आदर्श बनाएंगे कृषि विज्ञान केंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। सीएसए से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले दो गांवों को आदर्श गांव बनाएगा। केवीके और विवि के प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिकों से अपने अपने स्तर पर आदर्श गांव बनाने का प्लान बनाने को कहा गया है। प्रदेश के 13 जिलों में सीएसए से संबद्ध केवीके हैं। इस प्रकार से 26 गांवों को आदर्श गांव बनाने का प्रयास होगा।

बताते चलें कानपुर देहात के मैथा ब्लॉक के अनूपपुर गांव को सीएसए बायोफोर्टिफाइड विलेज बना रहा है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कुलपति से

प्रदेश के 13 जिलों में हैं सीएसए के कृषि विकास केंद्र

मुलाकात के दौरान अनूपपुर को आदर्श गांव के रूप में विकसित करने को कहा था। आदर्श गांव योजना पर काम करने के लिए प्रसार निदेशालय और केवीके के वैज्ञानिकों की आईएएस अधिकारी हीरालाल सिंह से बीते दिनों ऑनालइन मीटिंग हुई थी। गांवों को विकसित करने के लिए इन्हें कई अवार्ड भी मिल चुके हैं। निदेशक प्रसार डॉ. एके सिंह ने बताया कि आदर्श गांवों में रोजगार, आत्मनिर्भरता, विकास, खेती और किसानों की समस्याओं समेत कई बिंदुओं पर कार्य किया जाना है।

दूध में 12 गुना तो खाद्यान्न उत्पादन में छह गुना हुई वृद्धि

कानपुर। 1950 से 2020 तक खाद्यान्न उत्पादन में छह गुना बढ़ोतारी हुई है। दूध में 12 गुना और मत्स्य उत्पादन में 16 गुना वृद्धि हुई है। इससे गरीबी और कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। ये बातें मंगलवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता पद्मभूषण कृषि वैज्ञानिक डॉ. राम बदन सिंह ने कही। डॉ. सिंह ने कहा कि विश्व में दुध उत्पादन में देश का प्रथम स्थान है। निदेशक शोध डॉ. एचजी प्रकाश, सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह, डॉ. धर्मराज सिंह आदि ने भी जानकारी दी। (संवाद)

आमरुद्धजाल॥

बुधवार • 14.07.2021

kanpuramruthjala.com

न्यूज डायरी

12 और 13 अगस्त को यूपी कैटेट

कानपुर। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट) अब 12 और 13 अगस्त को होगी। बीते दिनों छह और सात अगस्त की तारीख घोषित की गई थी जिसे कतिपय कारणों से रद्द कर दिया गया है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एसके गुप्ता ने बताया कि इस बार यूपी कैटेट सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ करा रहा है। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि अभ्यर्थी वेबसाइट upcatetadmissions.org एवं svbpmeerut.ac.in पर प्रवेश पत्र समेत अन्य जानकारियां ले सकते हैं। बता दें कि यूपी कैटेट पास होने के बाद प्रदेश के अयोध्या, मेरठ, बांदा और कानपुर के सरकारी कृषि विश्वविद्यालयों में दाखिला मिलता है। (संवाद)

07

• कानपुर • बुधवार • 14 जुलाई 2021

हिन्दुस्तान

12 व 13 अगस्त को यूपी-कैटेट

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के चारों कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा यूपी-कैटेट अब 12 व 13 अगस्त को होगी। सीएसए विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि 12 अगस्त को स्नातक पाठ्यक्रम की परीक्षा होगी। 13 अगस्त को प्रथम पाली में मास्टर्स व पीएचडी के लिए परीक्षा प्रथम पाली में और एमबीए के लिए द्वितीय पाली में परीक्षा होगी। अभी तक यह परीक्षा 6 व 7 अगस्त को होनी थी।



वर्ष: ६, अंक : १०० पृष्ठ : १२
कलमगुरु महानगर, बुधवार
१४ जुलाई, २०२१
मुद्रण ३ २.००

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

बहुप्राप्ति क्रम मिलन २०२२ परों का शास्त्र तेवर, चक्र होगी एकट बैठकर में प्राप्यमिकता?...६

दुग्ध उत्पादन में देश विश्व के प्रथम स्थान पर: पदम भूषण डॉक्टर राम बदन सिंह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा भारत के 75 वें स्वतंत्रता वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत नव भारत के निर्माण हेतु कृषि में परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। निदेशक जोध डॉक्टर एच जी प्रकाश एवं अधिकारी निदेशक जी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों को बधाई देते हुए बताया। कि वर्ष १९५० से २०२० तक खाद्यान्न उत्पादन में ६ गुना बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि खाद्यान्न उत्पादन में ६ गुना, उद्यानिकी फसलों में १० गुना, दूध में १२ गुना, एवं मत्त्य में १६ गुना वृद्धि हुई है। जिससे गरीबी व कुपोषण में दो तिहाई की कमी आई है। डॉक्टर सिंह ने शेष ब्राह्मि के जनक



की। चर्चा के दौरान डॉ सिंह ने देश में कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं देश के किसानों को बधाई देते हुए बताया। कि वर्ष १९५० से २०२० तक खाद्यान्न उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर डॉ सिंह ने कहा कि खाद्यान्न, दलहन, तिलहन एवं साग भाजी फसलों में अधिक व गुणवत्ता युक्त उत्पादन हेतु जोध में आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का समावेश आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने कृषि में नैनों तकनीकी की भी बात की। कार्यक्रम की अध्यक्षता

कर रहे हैं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों का आवाहन किया है। कि डॉ राम बदन द्वारा नीतिगत सुझावों को अपने शोध, प्रसार एवं शैश्विक कार्यों में समाहित करें इस अवसर पर डॉक्टर एच जी प्रकाश ने स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित २९५ से अधिक प्रजातियां जिनमें ८८ खाद्यान्न, ८५ तिलहन, ५४ दलहन, ५८ खाद्य भाजी फसलों की प्रजातियों के बारे में बताया उन्होंने बताया कि यह प्रजातियां किसानों में काफी लोकप्रिय हैं। तथा विश्वविद्यालय की तकनीकी का किसान लाभ उत्तर है। जिसमें जलान्न व ग्रीष्मकालीन मूँगफली खेती तकनीक को विभिन्न संस्थानों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। हरित क्रांति में विश्वविद्यालय का उल्लेखनीय योगदान हेतु विश्वविद्यालय को गण्यीय कृषि विज्ञान अकादमी नई दिल्ली द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।



कानपुर 14 जुलाई 2021

5

यूपी कैटेट-2021 की प्रवेश परीक्षा 12 व 13 अगस्त को होगी

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 13 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय समेत प्रदेश के चारों कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा यूपी-कैटेट अब 12 व 13 अगस्त को होगी। सीएसए विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि 12 अगस्त को स्नातक पाठ्यक्रम की परीक्षा होगी। 13 अगस्त को प्रथम पाली में मास्टर्स व पीएचडी के लिए परीक्षा प्रथम पाली में और एमबीए के लिए द्वितीय पाली में परीक्षा होगी। अभी तक यह परीक्षा 6 व 7 अगस्त को होनी थी। मगर 6 अगस्त को महाशिवरात्रि का अवकाश और सात व आठ अगस्त को टीजीटी की परीक्षा प्रस्तावित होने से शेड्यूल में परिवर्तन किया गया है।